



पेरा उर्दा काशी व वरीष्ठ कशी
 लगी गई
 का- का काकाके
 कापुड काकाके के अक्षरलिपि का: पत्रागली
 अक्षर हानवी अरक लैकी के शकारिज की
 जागी ही पत्रागली के माल शुका माल
 काकेल दफर ही

सहायक कलेक्टर
 डीडवावा (नागौर)

